प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **जुलाई / July 2, 2021**

सिडबी ने ' विश्व एमएसएमई दिवस ' को ' विकास सप्ताह ' के रूप में मनाते हुए विकासात्मक उपाय किए

SIDBI rolls out developmental measures, celebrating ‘World MSME Day’ as a ‘Developmental Week’

- **गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिचूर में स्वावलंबन चेयर स्थापित**
  Sets up Swavalamban Chair in Government Engineering College, Thrissur
- **स्वावलंबन सुविधा केंद्र की स्थापना के लिए सीआईएमएसएमई को समर्थन**
  Support to CIMSME for setting up Swavalamban Suvidha Kendra
- **10000 स्वावलंबी मिशन - स्वप्न से साक्षात तक विषयक चरित्र बल की कहानियां**
  Mission 10000 Swavalambis- Dreams2Reality stories of grit
- **ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर**
  Signs MoU with Global Alliance for Mass Entrepreneurship
- **उद्यमिता के अवसरों के लिए 11 राज्यों की त्वरित प्रोफाइलिंग**
  Rapid profiling of 11 states for entrepreneurial opportunities
- **कोविड प्रतिक्रियाशील संस्थाओं और संघों का सम्मान**
  Felicitating Covid responsive entities and associations

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने 27 जून, 2021 को विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर को 'विकास सप्ताह' के रूप में मानते हुए एमएसएमई इकाईयों के लिए विभिन्न विकासात्मक उपाय किए हैं।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs), has rolled out various developmental measures for MSMEs celebrating the World MSME Day of June 27, 2021 in the form of a ‘Developmental Week’.

अपनी परियोजना साहस के अंतर्गत सिडबी ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिचूर में " स्वावलंबन चेयर फॉर एमएसएमई सॉल्यूशंस" की स्थापना की है। इस चेयर का उद्देश्य अनुसंधान कार्य और उद्यमिता संस्कृति को प्रेरित करना होगा। यह स्वावलंबन संसाधन सुविधा द्वारा समर्थित है जिसे विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय, यूनाइटेड किंगडम के साथ साझेदारी में स्थापित किया गया है। यह इस क्षेत्र में उद्यमों के लिए उत्पाद / प्रक्रिया के समाधान लाएगा, स्थानीय चिंता के विषयों का मापन कर, उनके समाधान / विचार को आकार देने, परीक्षण करने, मान्य करने और उनके उद्यमशील उद्यमों की शुरुआत करने के लिए प्रोफेसरों की सलाह लेते हुए युवाओं का समर्थन प्रदान करेगा। यह चेयर अंतर कॉलेज अध्ययन को भी बढ़ावा देगा।

Under its project SAHAS, SIDBI has soft launched “Swavalamban Chair for MSME Solutions”, at Government Engineering College, Thrissur. The Chair shall have action research and inducing entrepreneurship culture as its core thrust. It is supported by Swavalamaban Resource Facility which has been set up in partnership with Foreign, Commonwealth and Development Office, United Kingdom. It shall bring product/process solutions to enterprises in the region, support youth under mentorship of professors to map the local pain points, shape their solutions/idea, test, validate and launch their entrepreneurial ventures. The Chair shall also foster inter-college learnings.

नवोदित उद्यमियों का पथप्रदर्शन करने के उद्देश्य से सिडबी ने भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम परिसंघ (CIMSME) को 'स्वावलंबन सुविधा केंद्र' स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान की है। यह केंद्र सूचना विषमता चुनौतियों का समाधान करेगा और जिज्ञासु युवाओं के लिए उत्तरदायी समाधान प्रस्तुत करेगा, कोविड चुनौतियों का सामना करने वाले प्रभावित उद्यमों की सेवा करेगा, उद्यम पंजीकरण में सहायता करेगा और सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को उद्यमी मित्र पोर्टल, स्टैंडअपमित्र पोर्टल, पीएसबीलोनइन 59 मिनिट्स जैसे डिजिटल समाधानों के लिए सक्षम करेगा।

With an objective to handhold budding entrepreneurs, SIDBI has provided support to Confederation of Indian Micro, Small and Medium Enterprises (CIMSME) for setting up ‘Swavalamban Suvidha Kendra’. The Kendra shall address information asymmetry challenges and render responsive solutions to inquisitive youth, serve anxious enterprises facing Covid challenges, assist in Udyam registration and enable Micro and Small Enterprises (MSEs) to go for digital solutions like Udyamimitra portal, Standupmitra portal, PSB Loans in 59 minutes etc.

सिडबी ने अपनी ओर से कोविड प्रभावित आबादी के लिए अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से भोजन प्रायोजित करके कोविड के लिए काम करने वाले सूक्ष्म लघु इकाइयों और संघों को भी सम्मानित किया है । सिडबी ने इस कोविड अवधि के दौरान 2.10 लाख भोजन वितरित किए हैं। इसके अलावा सिडबी ने अपने मिशन 10000 स्वावलंबी पहल के तहत उभरते हुए उद्यमियों और नौकरी देने वालों की कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए एक पुस्तिका तैयार की है। इन प्रेरणादायक कहानियों का उद्देश्य आकांक्षी भारत के सपनों को आकार देना और उन्हें रोजगार सृजन की यात्रा में मदद प्रदान करना है।

SIDBI has also felicitated Covid responsive MSEs and associations by sponsoring meals on their behalf through Akshay Patra Foundation for Covid impacted population. SIDBI has distributed 2.10 lakh meals during this Covid period. Also, to showcase the emerging entrepreneurs and job creators, SIDBI has, under its Mission 10000 Swavalambis initiative, documented their stories. These inspirational stories are aimed at shaping dreams of aspirational Bharat and help them walk the job creator journey.

सिडबी ने एमएसएमई इकाइयों को कोविड संकट के दौरान उनकी चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए 'ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप' के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया है। समझौता ज्ञापन के तहत शामिल व्यापक विषयों में क्रेडिट पहुंच का विस्तार, औपचारिकीकरण को बढ़ाना, प्रतिस्पर्धी क्लस्टर बनाना और व्यापार करने में आसानी के लिए कानूनी ढांचे में सुधार करना शामिल है।

SIDBI has also entered a Memorandum of Understanding (MoU) with 'Global Alliance for Mass Entrepreneurship' to help MSMEs address their challenges faced during the Covid crisis. The broad themes covered under the MoU include expanding credit access, increasing formalization, building competitive clusters, and improving the legal framework for ease of doing business.

कोविड से प्रभावित प्रवासी आबादी के लिए उद्यमशीलता के अवसरों की पहचान हेतु 11 राज्यों, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, असम, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में त्वरित रूप से रूपरेखा तैयार की गई है। इन राज्यों में सिडबी ने एमएसएमई पर यूके सिन्हा समिति की सिफारिशों के आधार पर परियोजना प्रबंधन इकाइयां स्थापित की हैं। इनसे प्राप्त इनपुट से स्थानीय/क्षेत्रीय स्तरों पर उद्यमशीलता के उपक्रमों पर निर्णय लेने में सुगमता की आशा है।

To identify entrepreneurial opportunities for migrant population impacted by Covid, rapid profiling in 11 states namely, Uttarakhand, Delhi, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Assam, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Andhra Pradesh, and Tamil Nadu has been carried out. In these states, SIDBI has setup Project Management Units based on the recommendations of the UK Sinha Committee on MSMEs. The inputs are expected to facilitate decisions on entrepreneurial ventures at local/regional levels.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमण ने कहा, "इस चुनौतीपूर्ण समय में उद्यमियों को सशक्त बनाने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की हमारी भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए, विभिन्न पहलों के माध्यम से, हम उद्यम विकास चक्र का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं जिसमें विचार, स्थापना, पुनर्जीवन और उसको पनपने देने के साथ-साथ उसे आगे बढ़ाना भी शामिल है। एक ओर हम अधिक आजीविका उद्यमियों की पहचान करने की दिशा में काम कर रहे हैं और दूसरी ओर हम उन्हें सुदृढ़ करने के लिए उनकी क्षमता का निर्माण करने के लिए भी कदम उठा रहे हैं। इन उपायों के फलदायी होने से, हम नौकरी ढूँढने वालों के बजाय अधिक नौकरी सृजकों के एक समाज बनाने के प्रति आशान्वित हैं।"

Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director of SIDBI said, “Our role is to empower entrepreneurs and encourage entrepreneurship during these challenging times. Keeping this in mind, through the various initiatives, we are planning to support the enterprise development cycle comprising ideation, setting up, revive and thrive as also stepping up. On one hand we are working towards identifying more livelihood entrepreneurs and on the other hand we are taking steps to build their capacity for emerging stronger. With these measures fructifying, we hope to create a society with more job creators rather than job seekers.”

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in